HISTORY 1

अकबर की भूमि बंदोबस्त प्रणाली की आलोचनात्मक मूल्यांकन

(General Remarks - Critical Estimate of Akbar's Land Settlement System)

इसमें कोई संदेह नहीं की अकबर ने अपने भूमि सुधार प्रबंध करने वाला प्रथम सम्राट नहीं था। इससे पहले शेरशाह सूरी ने भूमि सुधार के क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण प्रयोग किये थे, परन्तु अकबर ~~का~~ द्वारा किए गए सुधारों महत्वता कम नहीं हो जाती, क्योंकि उसने शेरशाह सूरी द्वारा किए गए सुधारों को नई दिशा दी। अकबर ने भूमि कर प्रणाली में नये नियम बनाए और कुछ प्रथाओं का आरंभ किया जिससे कृषकों को बहुत लाभ पहुँचा।

साम्राज्य के किसानों की दशा को समझकर सरकार यह अनुमान लगाया जा सकता है की अकबर की भूमि बंदोबस्त प्रणाली कितनी लाभदायक है। मोरलैण्ड तथा वी० ए० स्मिथ जैसे अंग्रेज इतिहासकारों का यह विचार की मुगलों का भूमि प्रबंध रैय्यत के लिए हानिकारक था तथा यह भारत में अंग्रेजों द्वारा स्थापित की गई प्रणाली से अधिक लाभदायक नहीं था। इसका यह कथन भी स्वीकार नहीं किया जा सकता। अंग्रेज इतिहासकारों का यह कहना की टोडरमल की प्रणाली का उद्देश्य सरकार का रैय्यत द्वारा

दिए जाने वाले लोगों से बचाया था न की रैयत कि भलाई के लिए थे। वास्तव में आइन-ए-अकबरी के लिए उल्लेख मिलते हैं जिससे प्रतीत होता है की सरकार की भूमि कर प्रणाली लोगों के लिए बहुत लाभदायक थी। अंग्रेज इतिहासकारों के विचारों का खण्डन करते हुए प्रो० बृज नारायण, प्रो० ए० आर० पी० ईश्वर प्रसाद ने निम्नलिखित तर्क दिए हैं:

1. अकाल तथा सूखा पड़ने के समय किसानों को भूमि कर में छूट दी जाती थी।
2. सरकारी कोष से किसानों को तकावी (Taqavi) ऋण दिए जाते थे ताकि वह बीज, पशु, कृषि, यंत्र आदि मोल ले सकें तथा इसके यह ऋण की राशि आसान किश्तों में वापिस ली जाती थी।
3. यदि युद्ध के समय सिपाहियों को कुछ फसलों को हानि पहुँचती तो राज्य की ओर से भूमि के स्वामियों को इन फसलों का ~~मुआ~~ मुआवजा शीघ्र दिया जाता था।
4. अंग्रेजी शासन काल के समय की भूमि कर की दर, मुगल काल की भूमि कर की दर से बहुत अधिक थी। मुगल शासन काल में यह दर कुल उपज का 1/3 भाग थी जबकि अंग्रेजी शासन में ~~समय~~ समय जीवन की आवश्यकताओं के मुकाबले बहुत कम थे तथा भारतीय किसानों

की आर्थिक दशा बहुत अच्छी थी।

6. किसानों को राज्य के अधिकारियों के धोखे तथा भ्रष्टाचार से बचाने के लिए सरकार ने व्यापक प्रबंध किए थे। राज्य के उच्च अधिकारी ईमानदार होते थे। टोडरमल बहुत सावधानी से उनकी गतिविधियों की निगरानी रखता था। ऐसे अधिकारी जो आधुनिक काल की भाँति बड़े-बड़े होशियार वकीलों से अपनी सहायता से बचाव नहीं कर सकता था। अपनी नई प्रणाली को स्थापित नहीं कर सका। परंतु हमें कोई भी उदाहरण ऐसा नहीं मिलता कि भूमि नवीनीकरण करने से यह कर निश्चित करने में सरकारी अधिकारियों द्वारा किसानों पर कोई अत्याचार किए गए हो और न ही सरकारी अधिकारियों द्वारा किसानों के साथ कोई धूर्तता की गई हो।

7. एस॰ एम॰ जफर लिखते हैं कि अकबर द्वारा की गई भूमि कर प्रणाली शानदार तथा दीर्घकालीन सिद्ध हुई। इसके दो बड़े लाभ थे। इससे सरकार तथा किसानों दोनों को लाभ पहुँचा। सरकार को भूमि कर का भाग निश्चित होने से लगान की आय को अनिश्चित दूर हो गई और भ्रष्ट कर अधिकारियों के द्वारा धोखाधड़ी और घोसखोरी के अवसर भी बहुत कम हो गए। परिणामस्वरूप सरकारी कोष में आश्चर्यजनक वृद्धि हुई तथा किसानों ने दिन दुगनी रात चौगुनी प्रभाति की।